विश्व रिकॉर्ड में दर्ज पटना की गंगा महाआरती

चर्चा में क्यों?

7 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार आईडीपीटीएस की ओर से पटना के कलेक्ट्रेट घाट पर आयोजित 11 दिवसीय गंगोत्सव का कार्यक्रम गंगा महाआरती के अद्भुत प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस ऐतिहासिक गंगा आरती का संगीत संयोजन व निर्देशन बक्सर की धरती के लाल मुरार ग्राम के कथक गुरु बख्शी विकास ने किया।
- विदित है कि कार्यक्रम का आयोजन 27 अप्रैल 2023 को कलेक्ट्रेट गंगा घाट पर शुरू हुआ था। इसमें 501 महिलाओं ने नृत्य के माध्यम से गंगा महाआरती की।
- इस आरती का संगीत अवधी, हिन्दी, संस्कृत व रशियन भाषा से सजाया गया था। वहीं, भारत की सप्त नदियों के पौराणिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक पक्ष का दिव्य दर्शन आरती के माध्यम से दर्शकों तक सुगमता से पहुँचाया गया।
- गंगोत्सव में कथक नृत्यांगना सह गुरु आदित्या श्रीवास्तव ने अपने समूह के साथ कथक शैली की नाटिका गंगा एक संकल्प की प्रस्तुति से गंगा की मनोव्यथा की अभिव्यक्ति की। इस नाटिका में कथक नर्तक अमित कुमार ने शिव तांडव के साथ गंगा को जटा में धारण करने के दृश्य को अपनी भाव-भंगिमाओं से जीवंत कर दिया।
- वहीं, कथक नर्तक राजा कुमार ने काल्पनिक पात्र 'कालिमा'को अभिनीत कर अच्छा प्रदर्शन किया। यह नाटक गंगा को भगीरथ की आशा का संदेश देने के साथ संपन्न हुआ।
- इस अवसर पर नदियों के आध्यात्मिक, भौगोलिक और पौराणिक कथाओं पर आधारित सप्त तरंगिणी नृत्य संरचना की प्रस्तुति हुई। इस प्रस्तुति में रविशंकर, शालिनी महाराज, खुशी गुप्ता, हर्षिता विक्रम, संजना, स्नेहा, मुस्कान, सलोनी, रूपा, वंदिता व तनु ने नदियों के प्रवाह को भाव भंगिमाओं से दर्शाया।
- इस अवसर पर संजीव कपूर, तेजपाल सिंह ढिल्लन, सर्वेश राय, सरोज मिश्रा अमरेश पांडेय व अंजनी कुमार ने कला, चिकित्सा शिक्षा व अन्य क्षेत्रों के चर्चित हस्तियों को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/patna-s-ganga-maha-aarti-listed-in-world-record